

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 1523 /VII-1/89-ख/2010
देहरादून : दिनांक: 16 जून, 2010

कार्यालय ज्ञाप

जनपद व तहसील बागेश्वर के ग्राम सिमगड़ी में 46.5 एकड़ क्षेत्रफल पर खनिज सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग कार्य हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने के लिए खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदक श्री चेतन कपूर पुत्र श्री टेक चन्द्र कपूर, निवासी तहसील रोड, जनपद बागेश्वर ने दिनांक 19.10.1997 को जिलाधिकारी कार्यालय बागेश्वर में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उ०प्र० लखनऊ ने अपने पत्र संख्या 3418/एम० 2 बी 62/99, दिनांक 19 फरवरी, 1999 द्वारा 30 दिन का समय देते हुए आवेदन पत्र में पायी गयी कमियों के निराकरण करने हेतु आवेदक को नोटिस दिया गया। पुनः निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उ०प्र० लखनऊ ने अपने पत्र संख्या 1315/एम-2-62/99, दिनांक 25.11.1999 द्वारा 30 दिन को नोटिस देते हुए आवेदक से कतिपय अभिलेख उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस सम्बन्ध में उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उ०प्र० क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी ने अपने संख्या 1160/दो/पी०एल०/99, दिनांक 31 मार्च, 2000 द्वारा आवेदक से क्रमशः खनिज परिहार स्वीकृति सम्बन्धी शपथ पत्र, खनिज सम्बन्धी बकाया न होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र/शपथ पत्र, खनिज सम्बन्धी बकाया न होने का प्रमाण पत्र, आयकर दाता/बकाया न होने का शपथ पत्र एवं बन्दोबस्ती 1893 के अभिलेख उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। आवेदक द्वारा कमियों का निराकरण नहीं किया गया।

खनिज परिहार नियमावली के नियम 63 A के अधीन प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु आवेदन पत्र के निस्तारण की अवधि 09 माह निर्धारित है।

आवेदक श्री चेतन कपूर को खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम-12(1) के अन्तर्गत शासन के पत्र संख्या: 1105/VII-1/89-ख/2010, दिनांक 10 मई, 2010 द्वारा दिनांक 20 मई, 2010 को पूर्वाह्न 10:30 बजे सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। उक्त दिनांक को होने वाली सुनवाई प्रदेश में जिला योजना समितियों के निर्वाचन हेतु प्रभावी आदर्श आचार संहिता के दृष्टिगत शासन के पत्र संख्या 1253/VII-1/89-ख/2010, दिनांक 19 मई, 2010 द्वारा स्थगित की गयी। पुनः शासन के पत्र संख्या 1253(i)/VII-1/89-ख/2010, दिनांक 04 जून, 2010 द्वारा दिनांक 10 जून, 2010 को पूर्वाह्न 10:30 बजे सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। उक्त सुनवाई में जिलाधिकारी, बागेश्वर/उनके प्रतिनिधि तथा आवेदक स्वयं/उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए।

अतः आवेदक का आवेदन पत्र खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियमों के अनुसार आवेदक द्वारा आवेदन में पायी गयी कमियों को पूर्ण न करने, तथा खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम 22 डी के दृष्टिगत नियम-63 A (B) के द्वारा निर्धारित समय सीमा व्यतीत होने के कारण उनके प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 19.10.1997 को एतद्वारा अस्वीकृत/निरस्त किया जाता है।

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1523 (1)/VII-1/89-ख/2010, तददिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, बागेश्वर।
2. ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून को उनके पत्र संख्या 1562 मुख्य खनिज/96/बागे०/खनन/भू०खनि०ई०/08-09, दिनांक 03 जनवरी, 2009 के क्रम में।
3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्री चेतन कपूर पुत्र श्री टेक चन्द्र कपूर, निवासी तहसील रोड, जनपद बागेश्वर।

आज्ञा से,

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।